MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

5 JULY, 2018

[Time : 14-00]

(Total Marks for Sections I and II : 100)

HINDI TYPEWRITING

(40 Words Per Minute)

SECTION - II

(Time Allowed : 7 Minutes)

हिंदी टंकलेखन

(४० शब्द प्रति मिनट)

विभाग - २

(समय : ७ मिनट)

सूचना : निम्नांकित गद्यखंड को दोहरे अंतर में टंकलिखित करें । गद्यखंड को दुबारा टंकलिखित न करें। बायीं ओर १५ स्पेस का हाशिया (मार्जिन) छोडिए ।

[अंक : ४०]

मेरे जीवन में ऐसी क्या दिलचस्प बात है कि तुम मेरे बारे में जानने के लिए बेताब हो रहे हो ? पर तुम नहीं मानते हो तो मुझे अपनी जीवनकथा कहनी ही पडेगी । अच्छा, तो लो सुनो ।

मेरा जन्म आज से कई साल पहले एक किसान के घरमें हुआ था । मैं सुबह-शाम अपनी माँ का ताजा दूध पीती और उसी के साथ जंगल में चरने जाती थी । माँ का प्यार पाकर मैं मतवाली बन जाती और सारे जंगल को अपनी उछल-कूद तथा शरारतों से भर देती थी । कई बछड़े मेरे बाल-साथी थे । इस प्रकार कुछ सालों में मैं सयानी हो गई और तब मेरा जीवन भी थोड़ा बदला ।

मेरी माँ अब बूढ़ी हो चली थी । अचानक एक दिन वह मर गई । मरते समय माँ ने मुझे किसान की सेवा करने का आदेश दिया । कुछ ही समय में मैंने एक सुंदर बछड़े को जन्म दिया । मालिक और मालकिन दोनों ही मुझे बहुत चाहते थे, मैं बहुत दूध जो देती थी । मेरा बछड़ा तो उनके पुत्र के समान था । मेरे दूध से मालिक के यहाँ दही, मक्खन और घी की कभी कमी न रहती थी । मुझे सिर्फ इस बात का था कि किसान मेरे बछड़े को पर्याप्त दूध नहीं पीने देता था ।

धीर-धीरे मेरे जीवन के दिन कटते गए । मेरी दो संताने हैं । दोनों बछड़े बैल के रुप में किसान की सेवा कर रहे हैं । जब मैं बूढी हो गई तब एक दिन किसान ने मुझे कुछ लोगों के हाथ बेच दिया । अपनी पुरानी देहली और बाल-बच्चों को छोड़ते हुए मुझे बहुत दुख हुआ । लाचार होकर आँसू बहाते हुए मुझे वहाँ से चलना पड़ा । वे लोग मुझे कमाईखाने ले गए । वहाँ पर बहुत-सी दूसरी गायें और भेड़-बकरियाँ भी थी । सबके चेहरे पर मौत की छाया फैली हुई थी ।